**भारत सरकार**

**श्रम और रोजगार मंत्रालय**

**राज्य सभा**

**तारांकित प्रश्न संख्या- *1**

**गुरूवार, 29 जनवरी, 2026/9 माघ, 1947 (शक)**

## बिहार में आयोजित रोजगार मेलों में शीर्ष कंपनियों की भागीदारी

***1. डा. भीम सिंह:**

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बिहार में आयोजित रोजगार मेलों में अब तक भाग लेने वाली देश की शीर्ष कंपनियों की संख्या कितनी है और इन कंपनियों के माध्यम से कितने युवाओं को रोजगार और शिक्षुता/प्रशिक्षण के अवसर प्राप्त हुए हैं; और

(ख) बिहार में आयोजित होने वाले रोजगार मेलों में देश की शीर्ष कंपनियों की भागीदारी बढ़ाने के लिए क्या विशेष नीति, प्रोत्साहन या समन्वय तंत्र विकसित किया गया है और भविष्य में इसे सुदृढ़ करने की क्या कार्य योजना है?

**उत्तर**

**श्रम और रोजगार मंत्री**

**(डॉ मनसुख मांडविया)**

**(क) एवं (ख):** एक विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

*

**"बिहार में आयोजित रोजगार मेलों में शीर्ष कंपनियों की भागीदारी" के संबंध में डा. भीम सिंह द्वारा दिनांक 29.01.2026 को पूछे गए राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या 1 के उत्तर में संदर्भित विवरण**

(क) एवं (ख): रोजगार मेला, युवाओं में रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने हेतु सरकार की वचनबद्धता को पूरा करने की दिशा में उठाया गया एक कदम है। राज्य सरकारों/मंत्रालयों/विभागों आदि द्वारा विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत रोजगार मेलों का नियमित आयोजन किया जा रहा है।

रोजगार मेलों का मुख्य उद्देश्य रोजगार चाहने वालों और स्थानीय नियोक्ताओं के बीच संपर्क को सरल बनाना है, ताकि स्थानीय रोजगार आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। इस तरह के मेले स्थानीय श्रम बाजार की मांग के अनुरूप रोजगार के अवसरों पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

इसके अतिरिक्त, भारत सरकार का श्रम और रोजगार मंत्रालय, राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल चला रहा है, जो एक डिजिटल प्लेटफॉर्म [www.ncs.gov.in] के माध्यम से नौकरी खोज और मिलान, ऑनलाइन और ऑफलाइन रोजगार मेलों की जानकारी,करियर परामर्श, व्यावसायिक मार्गदर्शन, कौशल विकास पाठ्यक्रमों की जानकारी, कौशल/प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि करियर से संबंधित सेवाएं प्रदान करने के लिए वन-स्टॉप समाधान है।

मंत्रालय ने प्रतिष्ठित और शीर्ष कंपनियों में रोजगार अवसरों को पहचानने और उन तक पहुंच बढ़ाने के लिए, जॉब पोर्टलों, प्लेसमेंट संगठनों और प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे निजी भागीदारों के साथ रणनीतिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। ये समझौता ज्ञापन बिहार सहित देश भर में युवाओं के लिए रोजगार के विविध अवसरों तक पहुंच का विस्तार करने में सहायक रहे हैं।

इसके अलावा, सरकार ने एनसीएस परियोजना के तहत राज्यों/संस्थानों के सहयोग से देश भर में 407 मॉडल करियर केन्द्रों (एमसीसी) को अनुमोदित किया है। ये केंद्र स्थानीय युवाओं और अन्य रोजगार चाहने वालों को करियर परामर्श और प्रशिक्षण के साथ-साथ रोजगार मेलों, एनसीएस पोर्टल के माध्यम से रोजगार अवसरों से जोड़ते हैं।

दिनांक 20.01.2026 तक बिहार में राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) परियोजना के तहत कुल 3280 रोजगार मेलों का आयोजन किया गया है, जिसमें 8,492 नियोक्ताओं ने भाग लिया है। एनसीएस पोर्टल पर अंतिम भर्ती के आंकड़ों को अधिसूचित करना अनिवार्य नहीं है।

सरकार कौशल भारत मिशन (एसआईएम) के तहत, देश भर में कौशल विकास केंद्रों/विद्यालयों/महाविद्यालयों/संस्थानों आदि के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से विभिन्न योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई), जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस), औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन योजना (एनएपीएस) तथा शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) आदि के तहत कौशल, पुन: कौशल और कौशल संवर्धन प्रशिक्षण का कार्यान्वयन भी कर रही है। एसआईएम का उद्देश्य भारत के (बिहार सहित) युवाओं को उद्योग जगत से संबंधित कौशल प्रदान करके भविष्य के लिए तैयार करना है।

स्किल इंडिया मिशन (एसआईएम) के तहत, 2015-16 में शुरू की गई पीएमकेवीवाई योजना के तहत 1.64 करोड़ से अधिक उम्मीदवारों को (31 अक्टूबर 2025 तक) प्रशिक्षित और प्रमाणित किया गया है । एनएपीएस के तहत, 2016-17 से वित्त वर्ष 2025-26 तक (31 अक्टूबर 2025 तक) 49.12 लाख प्रशिक्षित उम्मीदवारों को रोजगार दिया गया है।

*****